2

अग्राच्या.

මෟඩන්න්.

ತ್ರಾಖಾಭ್ಯಕ್ಷಣ.

೧. ಸಂಥ.

প্রিত্যমন্ত্রত্যতার প্রত্যাত্তর প্রত্যাত্তর প্রত্যাত্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান প

ত্যাত্রনির্মান করি প্রমুক্ত নির্মান করি ।

॥ स्योधकात्रविक्रताच्यात्रकात्रविक्राविक्षाः

প্রতাণমত কর্মান প্রস্থান

अर्थित्र क्षेत्र हिस्से क्षेत्र विदेश

क्षत्रस्थ्य विष्ट्रिकार्य

व्याद्रक्राव्यक्षेत्रीयां भी व्याप्रात्रक्रा

वितर्यक्षित्रधार्य व्यक्तिव

व्यक्तिक में प्राचित्र के किया में

aर्णा विकार के वित

तस्याभागीयी विकास

कैंग्यू एक एक कि स्थान कि स्था

अक्षमार्था किए किए किए किए

विश्वीतं विश्वाति विश्वीतं न्

প্রিপ্তমতাত্রর প্রতির্ভাগিত প্রতির্ভাগিত প্রতির্ভাগিত প্রতির্ভাগিত প্রতির্ভাগিত প্রতির্ভাগিত প্রতির্ভাগিত প্রতি

ভাগজনির প্রতান্তর ক্রিতি ক্রিটির প্রতান্তর ক্রিটির ক্

किहार प्राचिक कि स्थानिक स्थान

শাতিত তান কৰিবলৈ কৰিবল

নাতর্যভাগুনামরী। মার্গের্যভাগুনামনার্যামরা স্থাত্যরভাগুনার্ভাগুনার স্থান্যভাগুনার্ভাগুনার

কার্যান্ত্রীকার্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান ভীত্যার্যার্যান্ত্র্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্তর্যান্ত্র্যান্ত

৪ឋার্জার নর্ভাশিনপ্রপূর্ণতা গুরু গুরু রু প্রতির্ভাল নির্দান নির্দান

ক্রান্ডরার প্রদ্বার্থ কর্মান্তর প্রদেশ । লা ক্রান্ডরার প্রদেশ কর্মান্তর কর

नेकाक्राधुक्क्यक्ष्म् । श्रीभूष्ण्यक्ष्म्यक्ष्म्यक्ष्म् प्रभूष्ण्यक्ष्म्यक्ष्म्यक्ष्म्यक्ष्म्यक्ष्म् प्रभूष्टिक्ष्म्यक्ष्म्यक्ष्म्यक्ष्म्यक्ष्म्

शणकामकामन्त्र क्षेत्र क्षेत्र

ন্যৰ্নাণ্যত্পত্ৰ ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰেন্ত্ৰ ক্ৰ

ক্ষণিত্যবর্ষণত্রবহার প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প ভালনার এনা শৃত্রির প্রত্যাত্র প্রত্য প্রত্যাত্র প্রত্য প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্য প্রত্যাত্র প্রত্য প্রত্য প্রত্য প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্য প্রত্য

র্যাণিংগর্মনির রাজ্যর বিষ্ণার্য বি

স্বর্থ প্রতিষ্ঠান প্

প্রতির্বর প্রভারত প্রতির রাজ্য প্রতির পরিক প্রতির প্রতির পরিক প্রতির প্রতির পরিক প

শার্যার তার্যপ্রধার্যার প্রার্থ বিশ্বর্যার বিশ্

্রা প্রমান ক্রি ক্রি প্রমান ক্রমান ক্রি প্রমান ক্রি

ন্তা বিধ্বা প্রতিষ্টের প্রতিষ্টের প্রতিষ্টের প্রতিষ্টের প্রতিষ্টের প্রতিষ্টের প্রতিষ্টির স্থিতির স্

द्रीत्यास्य व्यक्तिकात्रीत्य व्यक्तित्य व्यक्तित्य व्यक्तित्य व्यक्तित्य व्यक्तित्य व्यक्तित्य व्यक्तित्य व्यक्ति विष्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विष्यक्ति व्यक्ति विष्यक्ति विष्यक्ति

क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के किंद्र के किंद्र के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के क्रिक्ट के कि

माराकार्क्ड क्रिक्ट के क्रिक्ट के

भागवं कं क्रिक्न क्रिक क्रिक्न क्रिक क्रिक्न क्रिक क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क्रिक्न क्रिक क्रिक क्रिक्न क्रिक क्रिक

_9. NOP.

তম্ভিদিতে প্রদূর্ভিদান্ত তে তার্লি ক্রিয়ার প্রদূর্ভিদানে ক্রিয়ার ক্রিয়ার বিদ্যালয় কর্মি ক্রিয়ার ক্রায় ক্রিয়ার ক্

राठा.

র্যান্তর্গ্রীন্তর্গ্রান্তর্গ্রান্তর্গ্রান্তর্গ্রান্তর্গ্রান্তর্গ্রান্তর্গ্রান্তর্গ্রান্তর্গ্রান্তর্গ্রান্তর্গ্ বিশ্বান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গান্তর্গ

ক্ষাব্যাত্রমন্ত্রীভাষ্টার্য পূর্ণ প্রতির প্রতাম্ভিত

ঞারনর্নার ত্রাতার্যার্থী।

निर्वश्व हर्ते निर्वाचित्र

্রিণু বর্ত্তর করি করি করি করি করি করি করি ।

11011

NUSH-

গুতু হাত্ত্ব প্রতিক্র প্রতিক্র

॥ ० १३० व्या विकास के स्ट्रीय के स

क्रीवपुद्मिक्याद्येत्र

। englosukian প্রতিরোধনার প্রতিরোধনার প্রতিরোধনার প্রতিরোধনার প্রতিরোধনার প্রতিরোধনার প্রতিরোধনার প্রতিরোধনার প

<u>ज्यात्र</u> विद्यात्र स्थाति ।

नी क्या स्टूडी के स्टूडी

च्या विद्या भारति विद्या विद्य

ने प्रयास्त्र के कार्य के कार्य

युग्ण्यायां व्यक्तावती म्यात्रा विष्या ।

র্বিশৃত্তীনাভানত্তীআগমন্তর আগ্রুতাত্তিভাগ্রেতি

राण्डे व्यवस्थात्र स्वास्थ्य व्यवस्थात्र विष्णात्र व्यवस्थात्र विष्णात्र विष्णात्र विष्णात्य स्थात्र विष्णात्य स्यवस्थात्र विष्णात्य स्थात्र विष्णात्य स्यवस्य स्यवस्थात्र स्यवस्थात्य स्यवस्थात्य स्यवस्थात्य स्यवस्थात्य स्यवस्य स्यवस्

न्यां क्षा क्ष्यां क्ष क्ष्यां क्ष्या

है। चार्याण्याचित्रं का विकास के विकास विकास के वित्र के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के व

রীণ্ডততত্তিগণততাপ্তনভীগ্রহতানতাগনতি।। তেনুদর্শতানি ক্রিলিনিনিতে প্রদানিক প্রকার ক্রিলিনিনিতে প্রকার ক্রিলিনিনিক ক্রিলিনিনিক ক্রিলিনিনিক ক্রিলিনিনিক ক্রিলিনিনিক ক্রিলিনিক ক্রি

स्त्री ॥ व्यवस्थान्य स्थानित्य स्यानित्य स्थानित्य स्यानित्य स्थानित्य स्यानित्य स्थानित्य स्यानित्य स्थानित्य स्यानित्य स्यानित्य स्थानि

র্যাদেশগুরিপ্রসার্শিক্তর প্রতিপ্রদানিক্র র্যান্ডির্যান্ডির্যান্ডির নির্দানিক্র র্যানিক্রিন্ত্রান্ডির নির্দানিক্রি

ক্রাত্যান্তর্মধার্মর ক্রান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান ক্রাত্যান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্মান্তর্

জের প্রতির্ভাগ দিয়া প্রতির্ভাগ দিয়া প্রতির্ভাগ দিয়া দিয়া প্রতির্ভাগ দিয়া দিয়া প্রতির্ভাগ দিয়া দিয়া প্রতির্ভাগ দিয়া দিয়া

প্রসার্থন্ত ভাগগুরার্জ, ১. মতক্ यंत्रवीग्गाव्याव्यं व्यात्राम् নননা**ভাতাভা**তনভাত্ৰমূৰ गालकार का मुन्य कि के मित्र कि प्रेमित के जिस्के के ययास्त्र व्यासान्य विषय <u> রুমম্মতার্থিতির প্রত্</u>য নীমন্ত্রন্তু অনীমর্যা আমার গ্রামার ক্রিয়া। चीव्ययन्य व्यव्यान्य द्यीण्डा कुर्या का निवासी के विकास भावन्या नुपर्व विषय वार्य विषय विषय विषय चावर्वण्यात्राण्यवास्त्र ह्या विकाम विकास विश्व विष्य विश्व व रायक्रकार्याय किर्माय्य स्टिश्च व्याय स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्व न्यादी है न्या व्यादी व य्यव्यास्कारी व्यव्यक्ष्य व्यव्यक्ष्य व्यव्यक्ष्य विष्य यर्यास्त्र विश्वात्र विश्वात्य विश्वात्र विश्वात्र विश्वात्र विश्वात्र विश्वात्र विश्वात्र विष्य विश्वात्य विश्वात्य विष्य विश्वात्र विश्वात्र विश्वात्र विश्वात्र विश्वात्र विश्वात्र विश्वात्य विष्य विश्वात्य विश्वात्य विष्य व भूष्टात्रास्त्राच्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विषयात्र ॥ १९०० है। एवं में है कि हे का सहित्या विकास कि है 116011 क्राज्यभीव्ह्य्व्य्य्यम् इप्रिक्रिक्र क्षेत्र क नुभित्रकार्थित स्टूलिय र्वाण्याच्याच्यात्रात्रात्र भारत्रह्म जात्र के के में के स्वत्य के कि जात्र के कि जात्र के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के अपने के र्रेश्वा विकास के वित *ভাতভীষ্ঠতজ্ঞতা*র্মনার कुरीकु का अध्यादिकी मुहुणका के किल्ला किल्ला है। त्येत्वे क्ष्या क्ष व्याह्य है । ज्या है । ज्य कार्णाण्या भीति ।

कार्या विद्वास्त्र का निर्मा का

ক্তিত্যান্ত প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্য প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান

व्यावराष्ट्रयाच्यास्त्राच्यास्त्रयाच्या ॥१५४॥

क्रमहास्त्रीतम् भाषात्रात्र

রাত্রকাভ্রাগরহান্তরীপ্রনতা

सार्याक्षण्य क्षेत्र क क्षेत्र क

ব্যৱগার্থত প্রত্যাত্র পর্যাত্র প্রত্যাত্র পর্যাত্র প্রত্য পরত্য প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র পরত্য প্রত্যাত্র পর্য প্রত্যাত প্রত্যাত প্রত্যাত্র প্রত্যাত্র প্রত্যাত প্রত্যাত প্রত্যাত প্রত্য প্রত্যাত প্রত্যাত প্রত্যাত প্রত্যাত প্রত্য পরতা প্রত্য প্রত্য প্রত্য প্রত্য পরতা প্রত্য প্রত্য পরতা প

स्वार्यका क्राया क्र विकास क्राया क्राया

প্রতার্কার্কার্কার্কার প্রতার্কার্কার ।।।।

প্রতার্কার্কার্কার্কার ।।।

প্রতার্কার্কার্কার্কার ।।।

প্রতার্কার্কার্কার্কার ।।।

প্রতার্কার্কার্কার্কার ।।

প্রতার্কার্কার্কার ।।

প্রতার্কার্কার্কার ।

প্রতার্কার্কার্কার ।

প্রতার্কার্কার ।

প্রতার্কার্কার ।

প্রতার্কার্কার ।

প্রতার্কার বিশ্বর ।

প্রতার্কার বিশ্বর ।

প্রতার বি

গ্রাপর্যার বর্ষ রাজ্য রাজ্ বর্ষ কর্ম কর্ম কর্ম রাজ্য রাজ্য

আগমন্তামত আনু ব্যক্ত বিশ্ব প্রতি ক্রমান্ত প্রতি প্রতি ক্রমান্ত প্রতি প্রতি ক্রমান্ত প্রতি ক্রমান্ত প্রতি ক্রমান্ত প্রতি ক্রমান্ত প্রতি ক্রমান্ত ক

स्राण्या भाषाव्यात्र स्राण्या स्थाप्त स्थाप्त